एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

र्थी विक्रम संवत 2082 | बरेली | शुक्रवार, 20 फरवरी 2026, ब

PAGE NO. IV, BOTTOM

कवि सम्मेलन

कवियों ने रिद्धिमा में आयोजित 'साहित्य सरिता' में लगायी डुबकी, रचनाओं से श्रोताओं को झकझोरा

संस्कृति कैसे रक्षित होगी, अति विकृत व्यवहारों से...

बरेली, अमृत विचार: एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में गुरुवार की शाम कवि सम्मेलन ''साहित्य सरिता'' का आयोजन हुआ। कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं के दिलों के भावों को जगाया।

कवि उमेश त्रिगुणायत ने ''पहले सिजरा निकाल लेते हैं, लोग फिर हालचाल लेते हैं। उनके झांसे में आ गया जो भी, उसके खाते खंगाल लेते हैं, दुनियादारी से परिचित कराया। हिमांशु श्रोत्रिय ''निष्पक्ष'' ने ''क्या रक्षा की कोई आशा, हो सकती बटमारों से, संस्कृति कैसे रक्षित होगी, अति विकृत व्यवहारों से'' सुनाकर संस्कृति को संजोने का संदेश दिया। पीके 'दीवाना' ने 'अबे ओ चीन, तू बड़ी -बड़ी बातें मत बोल, बोलने से पहले अपनी छोटी- छोटी आंखें पूरी तरह से तो खोल, जिस रोज तेरी ये आंखें पूरी तरह से खुल जाएंगी, मेरा दावा है, हिन्द के प्रति तेरी सारी गलत फहमियां धुल जाएंगी,' सुनाकर श्रोताओं को देशप्रेम से रंगा। कवियत्री दीपा विरमानी ने ''जो वर राघव बने होंगे, हृदय हर्षित हुआ होगा

एसआरएमएस रिद्धिमा के सभागार में कवि सम्मेलन में पाठ पढ़ते कविगण।

खिले होंगे, पुष्प मन में मेल नैनों का हुआ होगा, सुना है हर खुशी और गम में, आंसू साथ देते हैं स्वयंवर के बाद, आंसू सिया का भी गिरा होगा'' से भगवान श्रीराम और माता सीता का प्रसंग सुनाया। डॉ. संजय गुप्ता ने ''मूक स्वरों से मुझे पुकारो, मैं भावों को पढ़ लूंगा, मन को छूते अहसासों से शब्द स्वयं ही गढ़ लूंगा सुनाया। केपी सिंह "विकल" ने 'हौसले से समंदर उतर जाओगे, मंजिलें पास होंगी संवर जाओगे, धैर्य टूटा अगर पथ से विचलित हुए, टूटकर एक दिन तुम बिखर जाओगे'' सुनाया। चेयरमेन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. रीता शर्मा मौजूद रहे।